



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण  
EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 121]  
No. 121]

नई दिल्ली, बुधवार, अप्रैल 6, 1978/चैत्र 16, 1900  
NEW DELHI, THURSDAY, APRIL 6, 1978/CHAITRA 16, 1900

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।  
Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

गृह मंत्रालय

(कानून और प्रशासनिक सुधार विभाग)

अधिसूचना

नई दिल्ली, दिनांक 6 अप्रैल, 1978

सा० का० नि० 227(अ).—केन्द्रीय सरकार, अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु और सेवा निवृत्ति प्रसुविधा) नियम, 1958 के नियम 25 के साथ पठित अखिल भारतीय सेवा अधिनियम, 1951 (1951 का 61) की धारा 3 की उपधारा (1) द्वारा प्रदत्त शक्तियों का प्रयोग करते हुए, संबद्ध राज्य सरकारों से विचार-विमर्श करने के पश्चात् अखिल भारतीय सेवा (पेंशन का सारांशीकरण) विनियम, 1959 में और संशोधन करने के लिए निम्नलिखित विनियम बनाती है अर्थात्:—

1. (1) इन विनियमों का नाम अखिल भारतीय सेवा (पेंशन का सारांशीकरण) संशोधन विनियम 1978 है।

(2) ये राजपत्र में प्रकाशन की तारीख को प्रवृत्त होंगे।

2. अखिल भारतीय सेवा (पेंशन का सारांशीकरण) विनियम 1959 में,—

(क) विनियम 3 के उप विनियम (1) में निम्नलिखित अन्तर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“परन्तु सेवा के ऐसे सदस्य को, जिसके विरुद्ध न्यायिक या विभागीय कार्यवाही संस्थित की गई है या किसी पेंशन भोगी को, जिसके विरुद्ध सेवा-निवृत्ति प्रसुविधा नियम के नियम 6 के उपनियम (1) के अधीन

ऐसी कार्यवाही की गई है या जारी रखी गई है, ऐसी कार्यवाही सम्बन्धित रहने के दौरान, अपनी पेंशन के किसी भाग के सारांशीकरण की अनुज्ञा नहीं होगी।

स्पष्टीकरण.—सेवा निवृत्ति प्रसुविधा नियम के नियम 5 के उप-नियम (1) के परन्तुक के अधीन सेवा के किसी सदस्य को अनुज्ञात किया गया अनुकम्पा भत्ता, उन नियमों के अधीन सारांशीकरण के प्रयोजनों के लिए पेंशन समझा जाएगा।”

(ख) विनियम 7 के पश्चात् निम्नलिखित अन्तर्स्थापित किया जाएगा, अर्थात्:—

“7क सारांशीकरण के विशेष उपबंध —

(1) विनियम 5, 6 और 7 में किसी बात के होते हुए भी, यदि कोई पेंशन भोगी, जो सेवा निवृत्ति प्रसुविधा नियमों के नियम 16 के उप-नियम (1) के अधीन सेवा निवृत्त होता है, अपने सेवा निवृत्त होने की तारीख के बाद एक वर्ष के भीतर, पेंशन के सारांशीकरण के लिए आवेदन करता है तो इन विनियमों के अधीन उसका स्वास्थ्य परीक्षण नहीं किया जाएगा और उसका सारांशीकरण उस तारीख को पूर्ण माना जाएगा अर्थात् (पेंशन का सारांशीकृत भाग पाने का उसका हक समाप्त हो जाएगा और सारांशीकृत मूल्य पाने का हक उद्भूत होगा) जिस तारीख को सारांशीकरण के लिए उसका आवेदन राज्य सरकार को प्राप्त हो जाता है।

(2) उस विनियम (1) में किए गए आवेदन को वापस लेने का विकल्प पेंशन भोगी को नहीं होगा।”

[सं० 11025/3/77-अ० भा० सं० (ii)]

डी० के० चेरियन, डेप्टी प्राधिकारी

## MINISTRY OF HOME AFFAIRS

(Department of Personnel &amp; Administrative Reforms)

## NOTIFICATION

New Delhi, the 6th April, 1978

**G.S.R. 227(E).**—In exercise of the powers conferred by sub-section (1) of Section 3 of the All India Services Act, 1951 (61 of 1951), read with rule 25 of the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits Rules, 1958, the Central Government, after consultation with the Governments of the States concerned, hereby makes the following regulations further to amend the All India Services (Commutation of Pension) Regulations, 1959 namely :—

1. (1) These regulations may be called the All India Services (Commutation of Pension) Amendment Regulations, 1978.

(2) They shall come into force on the date of their publication in the Official Gazette.

2. In the All India Services (Commutation of Pension) Regulations, 1959,

(a) in sub-regulation (1) of regulation 3, the following shall be inserted, namely :—

“Provided that a member of the Service, against whom judicial or departmental proceeding has been instituted or a pensioner against whom any such proceeding has been instituted or continued under sub-rule (1) of Rule 6 of the Retirement Benefits Rules,

shall not be permitted to commute any part of his pension during the pendency of such proceeding.

Explanation : The compassionate allowance granted to a member of the Service under proviso to sub-rule (1) of Rule 5 of the Retirement Benefits Rules, shall be treated as pension for the purpose of commutation under these rules.”

(b) after regulation 7, the following shall be inserted, namely :—

“7A. Special provision for commutation.—(1) Notwithstanding anything contained in regulations 5, 6 and 7, if a pensioner, who retired under sub-rule (1) of Rule 16 of the Retirement Benefits Rules, makes an application for commutation of pension within one year, after the date of his retirement, shall not be subjected to medical examination under these regulations and the commutation shall become absolute (i.e. the title to receive the commuted portion of the pension shall cease and the title to the commuted value shall accrue) on the date on which the application for commutation is received by the State Government.

(2) A pensioner shall have no option to withdraw the application made under sub-regulation (1).”

[No. 11025/3/77-AIS(II)]

V. K. CHERIAN, Desk Officer